आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 217 | उज्जैन, शुक्रवार 27 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्राकृतिक और रासायनिक फसलों के उपार्जन के लिए मंडियों में होगी पृथक व्यवस्था-मुख्यमंत्री

प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए योजनाएं बनायें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्राकृतिक खेती के नाम एक चौपाल कार्यक्रम को अद्भुत व प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि जिस प्रकार नमस्कार का असली महत्व कोविड के बाद समक्ष आया, ठीक इसी प्रकार प्राकृतिक खेती का विचार रासायनिक खेती के दुष्परिणामों के बाद आ रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं खेती की है, जिसमें रासायनिक खादों के उपयोग की आदत नहीं थी पश्चिम आधारित सोच के कारण कृषि में रासायनिक खाद का उपयोग बढ़ा। भारतीय ज्ञान के प्रति बढ़ते रूझान को देखते हुए गौ-पालन के लिए गौशाला बनाये जा रहे हैं, जिसके उत्पाद से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती की बड़ी संभावना है। उन्होंने कृषि मंत्री से कहा कि प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए योजनाएं बनायें, वे निश्चित रूप से इसे लागू करेंगे। मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती और रासायनिक खेती से उत्पादित फसलों के उपार्जन के लिए मंडियों में दो तरह की व्यवस्था करने को कहा, जिससे उत्पादित फसलों के उपभोग में कठिनाई न आये। मुख्यमंत्री गुरूवार को जबलपुर के मानस भवन में चौपाल प्राकृतिक खेती के नाम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन अभी 9 प्रतिशत है, इसे 25 प्रतिशत तक ले जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फैट के आधार पर दूध खरीदने की व्यवस्था है। भैंस के दूध को अधिक लाभदायक बताकर देशी गाय के दूध को महत्वहीन बताने का षडयंत्र रचा गया।

तेलंगाना में रेलवे ट्रैक पर महिला ने दौड़ाई कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की एक महिला द्वारा तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में रेलवे ट्रैक पर कार चलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला की इस गलती की वजह से रेलवे विभाग का काफी ज्यादा परेशानी हुई और कई ट्रेनों को निलंबित किया गया और कई का मार्ग बदला गया। महिला द्वारा रेलवे ट्रैक पर कार चलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना शंकरपल्ली के पास की है। 13 सेकेंड के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला चट्ठू सोनेट कार को रेलवे ट्रैक पर सरपट दौड़ा रही है।

महिला को कार से निकालने में करना पड़ा संघर्ष- इस मामले से जुड़ा एक अन्य वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें स्थानीय निवासियों, रेलवे कर्मचारियों और पुलिस को महिला को कार से बाहर निकालने के लिए संघर्ष करता देखा जा सकता है।

महिला का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें भीड़ द्वारा उसे कार से बाहर निकाला गया है और उसके हाथ बंधे हैं। वीडियो में महिला हिन्दी में चिल्लाते हुए यह भी कह रही है कि मेरे हाथ खोलो।

सूत्रों के हवाले से बताया कि जब महिला रेलवे ट्रैक पर गाड़ी दौड़ा रही थी, तब कई रेलवे कर्मचारी और पुलिस कर्मी कार के पीछे भागे और फिर कार को रोकने में कामयाब रहे। महिला को कार से बाहर निकालने में 20 लोगों की जरूरत पड़ गई थी और महिला कोई सहयोग नहीं कर रही थी।

एअर इंडिया विमान हादसे के बाद ब्लैक बॉक्स की जांच जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के बाद जांच कर्मियों को विमान का ब्लैक बॉक्स मिला था। इसकी जांच लगातार जारी है और हादसे से जुड़ी बातों को सामने लाने कोशिश की जा रही है।

इस बीच ब्लैक बॉक्स की जांच में प्रगति आई है। फ्रंट ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रटेकशन मॉड्यूल को 24 जून को सुरक्षित रूप से निकाला गया है और 25 जून को मेमोरी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया और इसका डेटा AAIB लैब में डाउनलोड किया गया है।

क्या है उद्देश्य- फिलहाल, CVR और FDR डेटा का विश्लेषण चल रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य हादसे की वजह का पता लगाना है और विमानन सुरक्षा को बढ़ाने और भविष्य की घटनाओं को रोकने के लिए योगदान देने वाले कारकों की पहचान करना है।

भारत में गिरी टीकाकरण की दर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 14 लाख बच्चे ऐसे थे, जिनको जीवन रक्षक डीटीपी वैक्सीन की एक भी डोज नहीं लगी। इस बात का खुलासा मेडिकल जर्नल लैंसेट की एक नई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में दुनियाभर में 1.57 करोड़ बच्चों को ये वैक्सीन नहीं लगी और आधे से ज्यादा जीरो डोज बच्चे सिर्फ 8 देशों में हैं। इनमें भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया, ब्राजील, इंडोनेशिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो, सूडान और सोमालिया शामिल हैं।

रिपोर्ट की अगर मानें तो इन देशों में लंबे समय से स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए निवेश में कमी, राजनीतिक अस्थिरता और शिक्षा की भी कमी बताई गई। टीकाकरण की दिशा में पिछले 50 सालों में प्रगति तो हुई है लेकिन अभी भी गहरी असमानता है। कोरोना महामारी, गलत जानकारी या सूचना और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी ने इस प्रगति को धीमा या फिर उल्टा कर दिया।

फिर पनपने लगेंगे खसरा, पोलियो जैसे रोग- रिपोर्ट चेतावनी देती है कि अगर इस समस्या को दूर नहीं किया जाता है तो खसरा, पोलियो और डिप्थीरिया जैसी बीमारियां फिर से महामारी का रूप धारण कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 1980 में दुनिया में 5.88 करोड़ ऐसे बच्चे थे, जिन्हें बचपन में कोई भी टीका नहीं लगा। इनमें से पचास प्रतिशत से ऊपर बच्चे भारत, पाकिस्तान, चीन, इंडोनेशिया और बांग्लादेश से ही थे। हालांकि 2019 तक जीरो डोज बच्चों की संख्या गिरकर अब 1.47 करोड़ रह गई।

कैसे पूरा होगा डब्ल्यूएचओ का टारगेट- यूनाइडेट नेशन और डब्ल्यूएचओ का टारगेट है कि 2030 तक जीरो डोज बच्चों की संख्या को 2019 की तुलना में आधा किया जाए।

संसद या संविधान, सर्वोच्च क्या? CJI गवई ने कर दिया क्लियर, कहा- मेरे लिए...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने बुधवार को यह क्लियर करते हुए बताया है कि देश का संविधान सर्वोपरी है। उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग (न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका) संविधान के अधीन काम करते हैं। CJI गवई ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरी राय में देश का संविधान सबसे ऊपर है। बता दें, सुप्रीम कोर्ट के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में उन्होंने पिछले महीने शपथ ली थी।

अपने होमटाउन पहुंचे सीजेआई- सीजेआई अपने होमटाउन अमरावती के दौरे पर गए थे, जहां उनका अभिनंदन समारोह हो रहा था। समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकती। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने कहा, हमेशा इस बात पर चर्चा होती है कि लोकतंत्र का कौन-सा अंग सर्वोच्च है- कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका? कई लोग मानते और कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरे हिसाब से भारत का संविधान सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के तीनों अंग संविधान के तहत काम करते हैं। सीजेआई ने कहा कि सरकार के खिलाफ आदेश पारित करने मात्र से कोई न्यायाधीश स्वतंत्र नहीं हो जाता है। उन्होंने कहा, एक न्यायाधीश को हमेशा याद रखना चाहिए की हमारा एक कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं।

देश के तीन राज्यों में एनआईए ने की छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को आतंकी साजिश के एक मामले में देश के तीन राज्यों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 18 जगहों पर NIA ने छापेमारी की है। पंजाब में 9, हरियाणा में 7 और यूपी में 2 जगहों पर संदिग्धों के ठिकानों पर सुबह से ही छापेमारी चल रही है। एनआईए की टीम ने विशेष इनपुट के आधार पर छापेमारी की। इस दौरान NIA ने तीनों राज्यों के राज्य पुलिस बल द्वारा सहायता भी ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहले भी पंजाब में भारत और विदेशों में सक्रिय खालिस्तान समर्थक समूहों और अन्य राष्ट्रविरोधी तत्वों से कथित रूप से जुड़े आतंकवादी नेटवर्क के संबंध में छापेमारी करती रही है।

जोहरान ममदानी ने अपने वायरल वीडियो में कहा कि पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री होने पर गुजरात में मुसलमानों का नरसंहार करवाया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद की उम्मीदवारी की रेस में जीतने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक जोहरान ममदानी की चर्चा जोरों पर है। अमेरिका ही नहीं बल्कि भारत में भी कई लोग उनके बारे में बात कर रहे हैं। ऐसे में जोहरान का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर टिप्पणी करते हुए एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में ममदानी ने पीएम मोदी को गुजरात दंगों का दोषी करार देते हुए कहा कि उन्होंने इस हद तक गुजराती मुसलमानों का नरसंहार करवाया कि लोगों को लगता ही नहीं है कि गुजरात में मुसलमान भी हैं।

जोहरान ममदानी का यह वायरल वीडियो कुछ महीनों पहले हुए एक कार्यक्रम का है। जहां पर भीड़ में से एक शख्स मंच पर बैठे लोगों से सवाल करता है कि क्या वह भारत और न्यूयॉर्क की दोस्ती के लिए पीएम मोदी के साथ मंच साझा करेंगे। इस पर वहां बैठे सभी लोग न में जवाब देते हैं। ममदानी से जब पूछा जाता है तो वह भी न में जवाब देते हैं। उसके बाद उन्होंने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी की गुजरात दंगों में भूमिका होने का दावा करते हुए कहा, मेरे पिता एक गुजराती मुसलमान परिवार से आते हैं... और यह (पीएम मोदी) वह व्यक्ति है, जिसने गुजरात में मुसलमानों के सामूहिक नरसंहार को अंजाम देने में मदद की थी।

ममदानी ने कहा, यह नरसंहार इस हद तक हुआ था कि लोगों ने यह मानना ही छोड़ दिया है कि गुजरात में मुसलमान बचे भी हैं या नहीं.. जब हम किसी को बताते हैं कि हम गुजराती मुसलमान है तो वह आश्चर्य से भर जाते हैं। मुझे लगता है कि हमें इन्हें भी उसी तरह से देखना चाहिए जैसे हम बेंजामिन नेतन्याहू को देखते हैं.. एक युद्ध अपराधी की तरह।

ममदानी के इस वायरल वीडियो पर अमेरिका समेत भारत में भी लोगों की मिली जुली प्रतिक्रिया आई। कई लोगों ने ममदानी को अपने दावे पर सबूत पेश करने के लिए कहा तो कई लोगों ने उन्हें हिंदू विरोधी और मोदी विरोधी करार दे दिया। वैश्विक स्तर पर कई लोगों ने उन्हें एक लोकतांत्रिक नेता के खिलाफ ऐसे बयान देने से बचने की सलाह दी और इसे पीएम मोदी का अपमान बताया क्योंकि एक लंबी कानूनी लड़ाई के बाद वह इस आरोप से मुक्त हो चुके हैं।

ईरान पर हमला करने वाला B-2 होगा रिटायर, US एअर फोर्स में अब अदृश्य योद्धा B-21 रेडर की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 जून 2025 की रात 12ः01 मिनट पर अमेरिका के मिसौरी स्थित व्हाइट मैन एयरफोर्स के हवाई अड्डे से अमेरिका के सबसे खतरनाक और घातक माने जाने वाले क्2 बमवर्षक विमानों ने उड़ान भरी। लगभग 17 घंटे की अनथक उड़ान के बाद ये मिडिल ईस्ट में अमेरिकी कमांड सेंटर क्षेत्र में दाखिल हुए। तब तक शाम के 5 बज चुके थे। इसके लगभग एक घंटे बाद यह सभी बॉम्बर विमान ईरान की वायु सीमा में दाखिल हुए।

इस बीच इन विमानों ने प्रशांत महासागर को पार किया और इन्हें हवा में ही रिफ्यूलिंग भी दी गई थी। शाम 6ः40 से 7ः05 बजे के बीच इन विमानों ने ईरान के फोर्डो और नतांज परमाणु ठिकानों पर बमबारी शुरू कर दी थी। जब ये विमान वापस लौट आए, तब अमेरिका ने बताया कि उनका ऑपरेशन पूरा हो गया है।

यह तो हुई उस घटना की बात, जिसके बाद अमेरिका ने इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा की थी। आप यह भी जान गए हैं कि अमेरिका ने अपने किन विमानों का उपयोग किया। अब आपको इसके आगे की कहानी बताते हैं। बी2 बमवर्षक विमान, अमेरिका का वह तीर है जिसका निशाना अचूक है। आपको यह जानकर हैरत होगी कि अगले पांच साल में इन विमानों को एयरफोर्स से रिटायर किया जाने वाला है।

अब आप सोच रहे होंगे कि जब यह अभी भी अचूक हैं तो फिर इन्हें रिटायर क्यों किया जा रहा है। दरअसल, इन विमानों की जगह लेगा B-21 Raider जो और अधिक मारक और अचूक है। यह नेक्स्ट जनरेशन विमान है जिसे लॉन्ग रेंज स्ट्राइक बॉम्बर कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसकी पहली झलक दिसंबर 2022 में दिखाई गई थी। इसके बाद नवंबर 2023 इसने पहली उड़ान भरी थी।

लड़ाकू विमान का नाम रेडर क्यों दिया- इस विमान को रेडर नाम क्यों दिया गया है, इसके पीछे भी एक ऐतिहासिक कहानी है। दूसरे विश्व युद्ध के समय अमेरिकी फौज की वायुसेना में डूलिटिल नाम की एक टीम हुआ करती थी, जिसने युद्ध मे अविस्मरणीय योगदान दिया था। उसी के सम्मान और याद में B-21 के साथ Raider नाम जोड़ा गया है।

B-21 Raider की विशेषताएं- स्टील्थ क्षमताएं- B-21 को अत्याधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक के उपयोग से बनाया गया है। यह विमान B-2 Spirit के डिजाइन को उन्नत करके बनाया गया है। इसमें B-2 से भी ज्यादा एडवांस्ड एयरोडायनामिक्स उपयोग किए गए हैं। यह विमान भी रडार में नहीं आएगा। इसके कॉकपिट की विंडो के डिजाइन को नए सिरे से डेवलप किया गया है। ड्युअल कैपेबल प्लेटफॉर्म- बी-21 को इस प्रकार से बनाया गया है, जिससे कि यह पारंपरिक हथियारों के साथ-साथ थर्मोन्यूक्लियर हथियारों से भी हमला करने में सक्षम है।

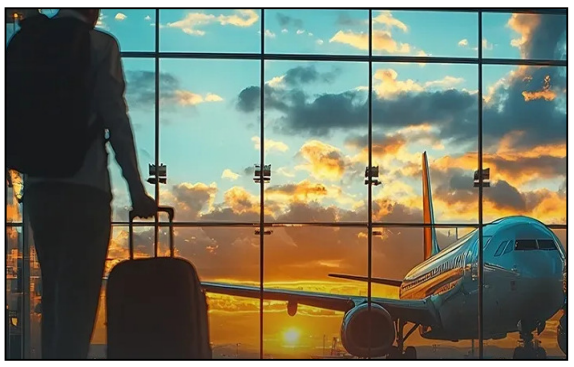

दुनिया भर के अमीर लोग ढूंढ रहे नया आशियाना, ब्रिटेन से सबसे ज्यादा रईस छोड़ रहे देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 में दुनिया भर में रिकॉर्ड तोड़ 142,000 अमीर लोग एक देश से दूसरे देश में बसने की तैयारी में हैं। यह आंकड़ा अंतरराष्ट्रीय निवेश और पलायन सलाहकार फर्म हेनली एंड पार्टनर्स और वैश्विक धन खुफिया फर्म न्यू वर्ल्ड वेल्थ की ताजा रिपोर्ट, हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2025, में सामने आया है।

इस साल ब्रिटेन (यूके) से सबसे ज्यादा अमीर लोग देश छोड़कर जा रहे हैं, जो पिछले दस सालों में किसी भी देश से सबसे बड़ा पलायन है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) लगातार दुनिया के अमीरों की पहली पसंद बना हुआ है। भारत से भी अमीरों का पलायन कम हुआ है, लेकिन कुछ देशों में यह सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है।

कितने अमीर बसेंगे अपने देश को करेंगे टाटा बाय-बाय- इस साल 142,000 हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स, यानी अमीर लोग, दुनिया भर में एक देश से दूसरे देश में बसने वाले हैं। यह आंकड़ा अपने आप में रिकॉर्ड है।

हेनली एंड पार्टनर्स के सीईओ डॉ. जर्ग स्टेफन कहते हैं, 2025 एक अहम मोड़ है। पहली बार यूरोप का कोई देश, यानी यूके, अमीरों के पलायन में सबसे आगे है। यह सिर्फ टैक्स नीतियों की वजह से नहीं, बल्कि अमीरों में यह धारणा बढ़ रही है कि कहीं और बेहतर मौके, आजादी और स्थिरता मिल सकती है। इसका यूरोप और यूके की आर्थिक प्रतिस्पर्धा और निवेश की साख पर गहरा असर होगा।

यूएई बना रईसों का सबसे पसंदीदा ठिकाना- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इस साल भी दुनिया के अमीरों की पहली पसंद बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में यूएई में 9,800 नए अमीर बसने की उम्मीद है, जो अमेरिका से भी 2,000 ज्यादा है। यूएई जाने के पीछे की वजह है इसकी निवेशक-अनुकूल नीतियां, सुनहरे वीजा (गोल्डन वीजा) की सुविधा, और आकर्षक जीवनशैली।

यूके, भारत, रूस, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका से अमीर लोग बड़ी संख्या में दुबई और अबू धाबी जैसे शहरों की ओर रुख कर रहे हैं। सऊदी अरब भी इस दौड़ में तेजी से उभर रहा है, जहां 2,400 नए अमीर बसने की उम्मीद है।

छुट्टी पर गई महिला से बॉस ने मांगा लाइव लोकेशन

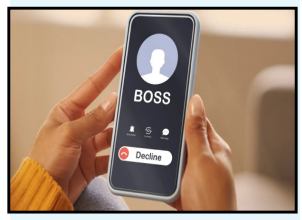

नई दिल्ली (एजेंसी)। मलेशिया की एक महिला ने अपने बॉस को लेकर जो दावा किया है, उसके बाद सोशल मीडिया पर एक नई बहस शुरू हो गई है। दरअसल, सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में महिला ने दावा किया है कि जब वह छुट्टी पर थी, तो उसके बॉस ने उससे लाइव लोकेशन शेयर करने को कहा था।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बॉस ने सबूत के तौर पर लोकेशन मांगी थी। महिला द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करने के बाद यूजर्स ने बॉस के व्यवहार को टॉक्सिक और प्राइवेसी पर अतिक्रमण बताया।

लोगों ने दी प्रतिक्रिया- रिपोर्ट में एक यूजर ने कहा, वे जो करते हैं वह आपकी सुरक्षा और आपके व्यक्तिगत जीवन के लिए खतरा है। अगर मैं होता तो नौकरी छोड़ देता और कहीं और नौकरी कर रहा होता। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, महिला मलेशिया के एक द्वीप पर घुमने गई थी। लेकिन महिला की छुट्टी का मजा तब किरकिरा हो गया, जब उसके बॉस ने लाइव लोकेशन शेयर करने के लिए कई बार कॉल किए।

हालांकि, महिला ने समुद्र किनारे मौज-मस्ती करते हुए एक तस्वीर जरूर पोस्ट की। महिला ने मैनेजर की पहचान उजागर किए बिना पोस्ट करते हुए पूछा कि क्या छुट्टी के स्थान का अनुरोध करना सामान्य है?

ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पर नेतन्याहू को महान योद्धा और इजरायल का सच्चा सिपाही बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी सहयोगी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मुकदमे को नाइंसाफी करार देते हुए इसे तुरंत रद करने या नेतन्याहू को माफी देने की मांग की है।ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रूथ सोशल पर एक लंबे पोस्ट में नेतन्याहू को महान योद्धा और इजरायल का सच्चा सिपाही बताया। यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब हाल ही में इजराइल और ईरान के बीच तनाव चरम पर था और दोनों देशों के बीच जंग छिड़ी थी। ट्रंप ने लिखा, ऐसी साजिश, उस शख्स के खिलाफ जो (देश को) इतना कुछ दे चुका है, मेरे लिए सोचने की बात नहीं। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू और मैं दोनों मिलकर नर्क जैसे हालात से गुजरे, जब इजरायल ने अपने पुराने दुश्मन ईरान के खिलाफ जंग लड़ी। ट्रंप ने कहा, बीबी (नेतन्याहू का उपनाम) और मैंने साथ में ईरान जैसे ताकतवर दुश्मन का मुकाबला किया।

एससीओ बैठक में राजनाथ सिंह बोले- आतंकवाद के साथ शांति और समृद्धि नहीं हो सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर बेनकाब करने का काम किया। पाक पर कटाक्ष करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि आतंकवाद के अपराधियों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराना ही होगा और इससे निपटने में ÷दोहरे÷ मापदंड नहीं होने चाहिए।चीन की धरती पर आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में शामिल हुए राजनाथ सिंह ने पाक और चीन दोनों को कूटनीतिक चोट भी दी।

साझा बयान पर साइन करने से किया इनकार- दरअसल, राजनाथ सिंह ने पहलगाम हमले और भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर भी जोरदार पक्ष रखा। राजनाथ सिंह के इस रवैये के चलते समिट में कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका। पाक और चीन दोनों आतंकवाद के मुद्दे से दुनिया का ध्यान हटाने की कोशिश में थे, इसी बीच रक्षा मंत्री ने साझा बयान पर साइन करने से इनकार कर दिया।

आतंक पर पाक को बेनकाब किया- शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में भाषण देते हुए रक्षा मंत्री ने पाक का नाम लिए बिना कहा कि कुछ देश आतंकवादियों को पनाह देने के साथ आतंकवाद को नीतिगत हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद को पालना और गलत हाथों में न्यूक्लियर हथियार होना दोनों गलत है। उन्होंने कहा कि आतंक से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की जरूरत है और हमें अपनी सामूहिक सुरक्षा और संरक्षा के लिए इन बुराइयों के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट होना चाहिए।

जर्मनी के पूर्वी राज्यों के कुछ शहरों और कस्बों में फ्री में रहने का न्योता दिया जा रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के कई देशों में घटती जनसंख्या और बुजुर्ग होती आबादी समस्या बन चुकी है। ऐसे में खाली पड़े शहरों को भरने के लिए वहां की सरकारें नए-नए उपाय खोज रही हैं। इसी क्रम में जर्मनी ने लोगों को कई शहरों में फ्री में रहने का ऑफर दिया है।

दरअसल, जर्मनी के कई शहरों की आबादी लगातार घट रही है। इससे निपटने के लिए जर्मनी के पूर्वी राज्यों के कुछ शहरों और कस्बों में फ्री में रहने का न्योता दे रहे हैं। इसी तरह का एक शहर है गुबेन, जहां मुफ्त में रहने का न्योता और मीडिया कवरेज की वजह से कई लोग यहां आकर रहना पसंद कर रहे हैं।

बर्लिन छोड़ गुबेन का रुख कर रहे लोग- बर्लिन की रहने वाली अनिका फ्रांत्से ने भी गुबेन का रुख किया है। उनका कहना है कि बर्लिन की आपाधापी और पार्किंग समस्या की वजह से उन्होंने ऐसा कदम उठाया। उनका मानना है कि गुबेन में ट्रैफिक की समस्या भी नहीं है और शांति के साथ-साथ सुकून का एहसास होता है। अनिका जैसे कई लोग बड़े शहरों की आपाधापी से बचने के लिए गुबेन में रहने आ रहे हैं।

गुबेन की जनसंख्या में हुए बड़े बदलाव- गुबेन जर्मनी के उन सैकड़ों शहरों और कस्बों में शामिल है, जहां पर जनसंख्या में 1990 में जर्मन एकीकरण के बाद बड़े बदलाव देखने को मिले। इन शहरों में घटती जन्म दर, युवाओं का जर्मनी की समृद्ध जगहों पर जाना, इस तरह की समस्याओं ने विकराल रूप धारण कर लिया है। गुबेन में बुढ़ापा अहम समस्या बन गई है।

पागल कम्युनिस्ट, न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में उतरे भारतीय मूल के ममदानी पर डोनाल्ड ट्रंप का हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क में मेयर उम्मीदवार भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की जीत पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वो 100 प्रतिशत कम्युनिस्ट पागल हैं। इतना ही नहीं ट्रंप ने ममदानी का समर्थन करने वाले अन्य नेताओं की भी आलोचना की।

उन्होंने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, आखिरकार ऐसा हुआ, डेमोक्रेट्स ने अपनी सीमा पार कर ली। 100 प्रतिशत कम्युनिस्ट पागल जोहरान ममदानी ने अभी-अभी डेमोक्रेटिक प्राइमरी जीती है और मेयर बनने के रास्ते पर हैं। हमारे पास पहले भी कट्टर वामपंथी थे लेकिन अब ये थोड़ा ज्यादा हास्यास्पद हो रहा है।

ममदानी बहुत ही खराब दिखते हैं- जोहरान ममदानी पर व्यक्तिगत हमला करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ममदानी बहुत खराब दिखते हैं, उनकी आवाज बहुत कर्कश है, वो होशियार नहीं हैं, उनके पास,ह्ट+3 है। उनका जो समर्थन कर रहे हैं वो सभी बेवकूफ हैं और यहां तक कि हमारे महान फिलिस्तीनी सीनेटर क्रायन चक शूमर भी उनके सामने झुक रहे हैं। हां, ये हमारे देश के इतिहास में एक बड़ा क्षण है।

कौन हैं जोहरान ममदानी- जोहरान ममदानी एक भारतीय मूल के मुस्लिम हैं। वो भारतीय अमेरिकी फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा मार्क्सवादी स्कॉलर महमूद ममदानी के बेटे हैं। ममदानी ने न्यूयॉर्क में चल रहे मेयर के चुनाव के लिए पहला पड़ाव पार कर लिया है।

कांग्रेस और पार्टी सांसद शशि थरूर के बीच दिन-ब-दिन तकरार बढ़ती जा रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस और पार्टी सांसद शशि थरूर के बीच दिन-ब-दिन तकरार बढ़ती जा रही है। कांग्रेस अंदर अपने आलोचकों को संदेश देने के लिए की गई उड़ान वाली पोस्ट पर पार्टी के सांसद ने शिकारी पक्षी वाली पोस्ट डालकर पलटवार किया है।

दरअसल, शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में प्रशंसा की थी, जिसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनकी फटकार लगाई थी। इस पर शशि थरूर ने बीते दिन बुधवार (25 जून) को एक पक्षी वाली पोस्ट शेयर कर निशाना साधा और लिखा, उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं और आसमान किसी का नहीं है। अब इस पोस्ट पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार किया है।

क्या कहा मणिकम टैगोर ने- कांग्रेस नेतृत्व के करीब माने जाने वाले कांग्रेस सांसद ने कहा, उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पक्षियों को उड़ने के लिए इजाजत की जरूरत नहीं होती... लेकिन आज के समय में एक स्वतंत्र पक्षी को भी आसमान देखना चाहिए- बाज, गिद्ध और चील हमेशा शिकार करते रहते हैं। स्वतंत्रता मुफ्त नहीं है, खासकर तब जब शिकारी देशभक्ति को पंखों की तरह पहनते हैं। इस पोस्ट में उन्होंने 6 शिकारी पक्षियों का वर्णन किया है, जिसमें बाल्ड ईगल, रेड-टेल्ड हॉक, ऑस्प्रे, अमेरिकन केस्ट्रल, टर्की वल्चर और ग्रेट हॉर्नड उल्लू।

क्या बीजेपी से बढ़ रही शशि थरूर की नजदीकियां- कांग्रेस से बढ़ते तनाव के बीच चर्चा इस बात पर हो रही है कि क्या शशि थरूर बीजेपी में शामिल होंगे? और इस पर कांग्रेस सांसद का शिकारी वाला पोस्ट अनदेखा नहीं किया जा सकता। बीजेपी नेता पिछले काफी समय से शशि थरूर की तारीफ कर रहे हैं।

मानसून की एंट्री कई राज्यों में हो गई है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून की एंट्री कई राज्यों में हो गई है, लेकिन ये बारिश आफत बनकर बरस रही है। गुजरात, राजस्थान, यूपी, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में तेज बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रखा है। कई जगह बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं।

हिमाचल में अचानक आई बाढ़

हिमाचल में भी भारी बारिश ने आफत ला दी है। कांगड़ा और कुल्लू जिलों में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के बाद से 10 लोग लापता हैं। लापता लोगों का पता लगाने के लिए खोज अभियान तेज कर दिया गया है।

बुधवार शाम को भारी बारिश के बाद आई बाढ़ में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोगों के बह जाने की आशंका है।

कांगड़ा के मनुनी खड्ड में इंदिरा प्रियदर्शिनी जलविद्युत परियोजना स्थल के पास एक श्रमिक कॉलोनी में तैनात लगभग 15-20 श्रमिकों के खनियारा के मनुनी खड्ड में जल स्तर बढ़ने के बाद बह जाने की आशंका है।

उत्तराखंड में कई जगह लैंडस्लाइड- उत्तराखंड में तेज बारिश के चलते कई जगह लैंडस्लाइड हुई है। इसी के साथ उत्तराखंड के कई जिलों में तेज बारिश के साथ ही बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

इंडियन से ज्यादा पाकिस्तानी..., जोहरान ममदानी पर भड़कीं कंगना रनौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत हासिल करने वाले 33 साल के जोहरान ममदानी की भारत में आलोचना हो रही है।भारतीय मूल के इस युवा नेता ने पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्यूमो को हराकर सबको चौंका दिया।

लेकिन उनकी ये कामयाबी ही उनके सिर चढ़ गई। इस कामयाबी की खुमारी में उन्होंने हिंदू और यहूदी समुदाय के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक बयान दिए हैं। इसके बाद अब भारत में कांग्रेस और बीजेपी नेताओं की तीखी टिप्पणियां सामने आई हैं। कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने जोहरान पर निशाना साधा।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंहवी ने जोहरान ममदानी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, जब जोहरान ममदानी मुंह खोलते हैं, तो पाकिस्तान की पीआर टीम छुट्टी ले लेती है। भारत को दुश्मनों की जरूरत नहीं, जब न्यूयॉर्क से 'मित्र' जैसे लोग झूठी बातें चिल्लाते हैं।

कंगना रनौत ने किया वार- बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी जोहरान ममदानी पर तंज कसा। उन्होंने कहा, जोहरान ममदानी भारतीय से ज़्यादा पाकिस्तानी लगते हैं।

बीजेपी विधायक बबनराव लोनीकर की विवादित टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) विधायक बबनराव लोनीकर ने एक सभा में विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि जो लोग उनकी पार्टी की आलोचना करते हैं, उन्हें ये पता होना चाहिए कि उनको कपड़े, जूते, मोबाइल, आर्थिक योजनाओं का लाभ और बुवाई के लिए पैसे हमारी वजह से मिलते हैं।

मध्य महाराष्ट्र के जालना जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र परतुर में हर घर सोलर योजना पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व राज्य मंत्री ने बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की योजना के बारे में बताया और पार्टी की आलोचना करने वालों पर जमकर निशाना साधा। इसी कार्यक्रम के दौरान लोनीकर ने ये विवादित बयान दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और विपक्ष ने इस पर पलटवार भी किया।

क्या कहा बबनराव लोनीकर ने- उन्होंने कहा, कुछ लोग और खासकर युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हमारी और हमारी पार्टी की आलोचना करते हैं। हमने आपके गांव में ओवरहेड वाटर टैंक, कंक्रीट की सड़कें, समारोह हॉल और कई सरकारी योजनाओं का लाभ दिया है।

इस दौरान विधायक को वायरल वीडियो में कहते हुए सुना सकता है, बबनराव लोनीकर ने हमारी आलोचना करने वालों की माताओं को वेतन दिया और उनके पिताओं के लिए पेंशन भी स्वीकृत की। (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी ने आपके पिता को बुवाई के लिए 6 हजार रुपये दिए। आपकी बहन लाड़की बहिन योजना का फायदा उठा रही है। आपके पास जो कपड़े, जूते और मोबाइल फोन हैं, वो सब हमारी वजह से हैं।

विपक्ष ने किया पलटवार- बीजेपी विधायक की बेतुकी टिप्पणी पर पलटवार करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के एमएलसी और विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि वो ब्रिटिशों का स्वदेशी संस्करण हैं।

पाकिस्तान की प्रिया पर आया नेवी हेडक्वार्टर के क्लर्क का दिल

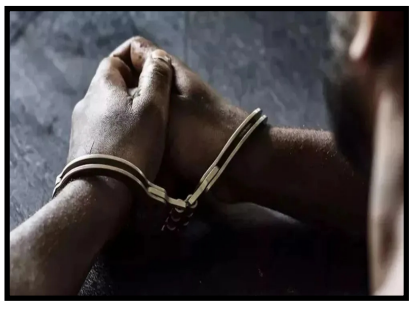

नई दिल्ली (एजेंसी)। खुफिया एंजेंसियों ने नौसेना भवन में अपर डिवीजन क्लर्क को पाकिस्तान के हैंडलरों तक संवेदनशील जानकारियां पहुंचाने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, क्लर्क विकास यादव ऑनलाइन गेमिंग का आदी था और पाकिस्तानी हैंडलरों ने इसका फायदा उठाया। लेकिन खुफिया एजेंसियों ने उस तक जिस तरह पहुंच बनाई, ये भी अपने आप में एक अलग कहानी है। दरअसल ये मामला एक अन्य जासूस रवि प्रकाश मीणा से जुड़ा हुआ है। रवि राजस्थान का रहने वाला था और रक्षा मंत्रालय के सेना भवन में चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी था।

क्रिप्टो नेटवर्क से मिलते थे पैसे- रवि प्रकाश मीणा को 2022 में अरेस्ट किया गया था। जांच में सामने आया था कि वह पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में था और नक्शे जैसी सेंसिटिव जानकारियां भेजता था। इसके बदले में उसे क्रिप्टोकरेंसी में पैसे मिलते थे। खुफिया एजेंसियों ने इस नेटवर्क पर नजर रखी, तो उन्हें दो अन्य जासूसों के बारे में पता चला।

इनमें से एक जासूस विकास यादव भी था। विकास यादव को भी पाकिस्तान से क्रिप्टोकरेंसी के रूप में पैसे पहुंचते थे। खुफियां एजेंसियों ने विकास पर निगरानी रखनी शुरू कर दी। उन्होंने पाया कि विकास यादव ऑनलाइन गेमिंग का आदी था और इसी क्रम में उसकी दोस्ती प्रिया शर्मा नाम की पाकिस्तानी महिला से हुई, जो फेसबुक पर एक फेक अकाउंट था।

नौसेना के अहम डॉक्यूमेंट्स भेजता था- इस अकाउंट से पाकिस्तानी हैंडलर ने पहले उसका भरोसा जीता और फिर उसे संवेदनशील जानकारियां देने के लिए राजी कर लिया। विकास यादव नौसेना के अहम डॉक्यूमेंट्स को स्कैल कर पाकिस्तान को भेजता था।

तेलंगाना में राजा रघुवंशी हत्याकांड जैसा मामला सामने आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में राजा रघुवंशी हत्याकांड जैसा मामला सामने आया है। एक व्यक्ति की शादी के एक महीने बाद ही हत्या कर दी गई, जिसमें अब चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, तेजेश्वर नाम के शख्स की उसकी पत्नी ऐश्वर्या और उसके प्रेमी तिरुमल राव ने हत्या कर दी।

राजा रघुवंशी हत्याकांड की तरह कत्ल का प्लान- पुलिस ने खुलासा किया कि ऐश्वर्या और उसके प्रेमी तिरुमल राव ने सबसे पहले मेघालय में राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या के बारे में चर्चा की थी और तेजेश्वर को खत्म करने और पुलिस को उलझन में रखने के लिए इसी तरह की योजना बनाने पर विचार किया था।

पहले ये थी योजना- गडवाल पुलिस प्रमुख टी श्रीनिवास राव के अनुसार ऐश्वर्या और तिरुमल राव ने पूछताछ के दौरान उन्हें बताया कि उन्होंने शुरू में राजा रघुवंशी की तरह ही तेजेश्वर को मारने की योजना बनाई थी।

योजना के अनुसार, ऐश्वर्या पहले तेजेश्वर को बाइक पर बाहर ले जाने के लिए मनाती। रास्ते में, किराए के हत्यारे उसपर हमला करते।

उन्हें लगा कि पुलिस भी इससे भ्रमित हो जाएगी और हत्या और अपहरण का मामला समझेगी। राजा रघुवंशी मामले में भी यही हुआ, जहां राजा का शव मिला और उनकी पत्नी सोनम कई दिनों तक लापता रही, इससे पहले कि पुलिस ने आखिरकार साजिश में उसकी भूमिका का पता लगाया।

हालांकि, ऐश्वर्या और तिरुमल राव ने कहा कि उन्होंने इस योजना पर चर्चा की थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया और अन्य विकल्पों पर विचार किया।

आंध्र प्रदेश में खेत में मिला तेजेश्वर का शव- एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस को तेजेश्वर का सड़ा हुआ शव 20 जून को आंध्र प्रदेश के नंदयाल जिले के पन्याम में एक खेत में मिला था। इससे दो दिन पहले तेलंगाना के गडवाल में उसके परिवार ने उसके लापता होने की सूचना दी थी। परिवार को संदेह था कि उसकी नवविवाहिता पत्नी ऐश्वर्या इस हत्या में शामिल है।

जैसे ही दोनों पड़ोसी राज्यों की पुलिस ने जांच शुरू की तो जांच में अपराध का खुलासा हुआ।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वतीया

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

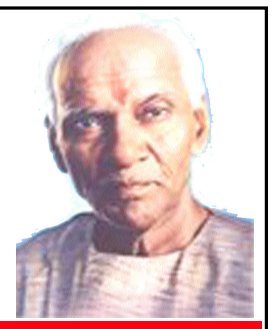

संपादकीय

हिन्दू धर्म की वर्ण व्यवस्था एवं जाति परम्परा की आलोचना करना आज एक फैशन सरीखा हो गया है..

हिन्दू धर्म की वर्ण व्यवस्था एवं जाति परम्परा की आलोचना करना आज एक फैशन सरीखा हो गया है, पर इस धर्म में कई तीर्थ स्थान ऐसे भी हैं, जहां वर्ण एवं जाति का कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। इन स्थानों पर प्रारम्भ से ही सभी जातियों एवं वर्णों को पूजा-अर्चना एवं उपासना का अधिकार है। इन स्थानों में पुरी का जगन्नाथ मंदिर विशेष उल्लेखनीय है। कहा तो यहां तक जाता है कि यदि इस मंदिर में कोई छुआछूत करता है तो उसे कोढ़ हो जाता है। इसीलिए यह लोकोक्ति प्रचलित हुई जगन्नाथ का भात जगत पसारे हाथ। अर्थात भगवान जगन्नाथ का प्रसाद पाने एवं पूजा करने का अधिकार सबको है।

भारतीय धर्मग्रंथों में जिन पवित्र नगरों (पुरियां) का उल्लेख मिलता है, उनमें पुरी भी एक है। इस क्षेत्र को विभिन्न धर्मग्रंथों में उच्चिष्ट क्षेत्र, उड्डीयन पीठ, पुरूषोत्तम क्षेत्र, जामनिक तीर्थ, शंख क्षेत्र, नीलाद्रि, श्री क्षेत्र, मर्त्य बैकुण्ठ, उत्कल एकाग्र क्षेत्र आदि भी कहा गया है। इस क्षेत्र में प्रतिष्ठित भगवान जगन्नाथ या जगदीश स्वामी की विशेषता यह है कि इनकी पूजा का उल्लेख, इतिहास में इस रूप में मिलता है कि पहले इनकी पूजा गिरिजनों एवं अबोध तथा अशिक्षित आदिवासियों द्वारा की जाती थी। बाद में सभी वर्ण इनकी पूजा और उपासना करने लगे।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर की एक बड़ी विशेषता यह भी है कि इस पर आक्रांताओं ने आक्रमण तो अनेक बार किए, पर वे मंदिर की सीमा में भी प्रवेश नहीं कर सके। इसका सबसे बड़ा कारण यही था कि इसकी रक्षा के लिये सभी जातियों एवं वर्णों के भक्तों ने अपने प्राणों की आहुति दी। इस मंदिर के साथ हजारों आदिवासियों के बलिदान की गाथा जुड़ी हुई है।

भगवान जगन्नाथ के पुरी में विराजमान होने की कथाएं कई धर्मग्रंथों में मिलती हैं। एक कथा के अनुसार द्वारिका में एक बार भगवान श्री कृष्ण की पटरानियों ने माता रोहिणी से आग्रह किया कि वे गोपियों के साथ ब्रज भूमि में भगवान श्री कृष्ण की रासलीला और प्रेम का वर्णन सुनायें। इस आग्रह ने जब हठ का रूप धारण कर लिया तो माता रोहिणी तैयार हो गयी। पर उस समय श्रीकृष्ण की बहिन सुभद्रा, मां रोहिणी के पास बैठी हुई थी। माता रोहिणी को यह अनुचित लगा कि वे बहिन (सुभद्रा) के सामने भाई (श्रीकृष्ण) की रासलीलाओं का वर्णन करें। उन्होंने सुभद्रा से कहा कि तुम द्वार पर जाकर खड़ी हो जाओ, क्योंकि श्री कृष्ण आने वाले हैं। जब तक हमारी आज्ञा नहीं हो तब तक दरवाजे पर ही खड़ी रहना तथा किसी को (श्री कृष्ण को भी) भीतर नहीं आने देना।

सुभद्रा द्वार पर खड़ी हो गयीं। तभी भगवान श्री कृष्ण एवं बलराम आ गये। सुभद्रा ने दोनों भाइयों को अपने दोनों हाथ फैलाकर उन्हें द्वार में प्रवेश करने से रोका। इसी समय देवर्षि नारद भी आ पहुंचे। उन्होंने दोनों भाईयों एवं बहिन को देखा तो कहा कि कितना अलौकिक दृश्य है। दोनों भाई एवं बहिन एक साथ दर्शन दे रहे हैं। जो भी आप तीनों का एक साथ दर्शन करेंगे, वे सौभाग्यशाली होंगे। नारद ने इन तीनों की स्तुति की तथा यह वरदान मांगा कि आप तीनों भक्तों के कल्याण के लिये इस रूप में दर्शन दें। नारद की यह प्रार्थना इन तीनों ने यह कहते हुए मान ली कि हम कलियुग में इसी रूप में प्रकट होकर अपने भक्तों का उद्धार करेंगे। धर्मग्रंथों के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण, बलराम और भगिनी सुभद्रा अपने इस वरदान की पूर्ति के लिये उत्कल प्रदेश के नीलांचल पर्वत पर भगवान नील माधव के रूप में अवतरित हुए। उनके श्री विग्रह (प्रतिमा) की पूजा अर्चना देवता करते थे। उसी समय मालवा क्षेत्र पर राजा इन्द्रधुम्न शासक थे।

जगन्नाथ रथयात्रा

जगन्नाथ रथयात्रा भारत में मनाए जाने वाले धार्मिक महामहोत्सवों में सबसे प्रमुख तथा महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। यह रथयात्रा न केवल भारत अपितु विदेशों से आने वाले पर्यटकों के लिए भी ख़ासी दिलचस्पी और आकर्षण का केंद्र बनती है। भगवान श्रीकृष्ण के अवतार जगन्नाथ की रथयात्रा का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। सागर तट पर बसे पुरी शहर में होने वाली जगन्नाथ रथयात्रा उत्सव के समय आस्था का जो विराट वैभव देखने को मिलता है, वह और कहीं दुर्लभ है। इस रथयात्रा के दौरान भक्तों को सीधे प्रतिमाओं तक पहुँचने का बहुत ही सुनहरा अवसर प्राप्त होता है। जगन्नाथ रथयात्रा दस दिवसीय महोत्सव होता है। यात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया के दिन श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है। देश-विदेश से लाखों लोग इस पर्व के साक्षी बनने हर वर्ष यहाँ आते हैं। भारत के चार पवित्र धामों में से एक पुरी के 800 वर्ष पुराने मुख्य मंदिर में योगेश्वर श्रीकृष्ण जगन्नाथ के रूप में विराजते हैं। साथ ही यहाँ बलभद्र एवं सुभद्रा भी हैं।

दर्शन- वर्तमान रथयात्रा में जगन्नाथ को दशावतारों के रूप में पूजा जाता है, उनमें विष्णु, कृष्ण और वामन और बुद्ध हैं। जगन्नाथ मंदिर में पूजा, आचार-व्यवहार, रीति-नीति और व्यवस्थाओं को शैव, वैष्णव, बौद्ध, जैन धर्मावलम्बियों ने भी प्रभावित किया है। रथ का रूप श्रद्धा के रस से परिपूर्ण होता है। वह चलते समय शब्द करता है। उसमें धूप और अगरबत्ती की सुगंध होती है। इसे भक्तजनों का पवित्र स्पर्श प्राप्त होता है। रथ का निर्माण बुद्धि, चित्त और अहंकार से होता है, ऐसे रथ रूपी शरीर में आत्मा रूपी भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। इस प्रकार रथयात्रा शरीर और आत्मा के मेल की ओर संकेत करता है और आत्मदृष्टि बनाए रखने की प्रेरणा देती है। रथयात्रा के समय रथ का संचालन आत्मा युक्त शरीर करता है जो जीवन यात्रा का प्रतीक है। यद्यपि शरीर में आत्मा होती है तो भी वह स्वयं संचालित नहीं होती, बल्कि उसे माया संचालित करती है। इसी प्रकार भगवान जगन्नाथ के विराजमान होने पर भी रथ स्वयं नहीं चलता बल्कि उसे खींचने के लिए लोक-शक्ति की आवश्यकता होती है।

इतिहास- पौराणिक कथाओं के अनुसार राजा इन्द्रद्युम्न भगवान जगन्नाथ को शबर राजा से यहां लेकर आये थे तथा उन्होंने ही मूल मंदिर का निर्माण कराया था जो बाद में नष्ट हो गया। इस मूल मंदिर का कब निर्माण हुआ और यह कब नष्ट हो गया इस बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं है। ययाति केशरी ने भी एक मंदिर का निर्माण कराया था। वर्तमान 65 मीटर ऊंचे मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में चोल गंगदेव तथा अनंग भीमदेव ने कराया था। परंतु जगन्नाथ संप्रदाय वैदिक काल से लेकर अब तक मौजूद है।

पुरी का मंदिर- रथयात्रा के समय भक्तों को प्रतिमाओं तक पहुँचने का अवसर मिलता है। पुरी का जगन्नाथ मंदिर भक्तों की आस्था केंद्र है, जहाँ पूरे वर्ष भक्तों का मेला लगा रहता है। पुरी का जगन्नाथ मंदिर उच्चस्तरीय नक़्क़ाशी और भव्यता लिए प्रसिद्ध है। रथोत्सव के समय इसकी छटा निराली होती है। पुरी के महान् मन्दिर में तीन मूर्तियाँ हैं -

भगवान जगन्नाथ की मूर्ति, बलभद्र की मूर्ति, उनकी बहन सुभद्रा की की मूर्ति।

ये सभी मूर्तियाँ काष्ठ की बनी हुई हैं। पुरी की ये तीनों प्रतिमाएँ भारत के सभी देवी डू देवताओं की तरह नहीं होतीं। यह मूर्तियाँ आदिवासी मुखाकृति के साथ अधिक साम्यता रखती हैं। पुरी का मुख्य मंदिर बारहवीं सदी में राजा अनंतवर्मन के शासनकाल के समय बनाया गया। उसके बाद जगन्नाथ जी के 120 मंदिर बनाए गए हैं।

विशाल मंदिर- जगन्नाथ के विशाल मंदिर के भीतर चार खण्ड हैं -

प्रथम भोगमंदिर, जिसमें भगवान को भोग लगाया जाता है।

द्वितीय रंगमंदिर, जिसमें नृत्य-गान आदि होते हैं।

तृतीय सभामण्डप, जिसमें दर्शकगण (तीर्थ यात्री) बैठते हैं।

चौथा अंतराल है।

जगन्नाथ के मंदिर का गुंबद 192 फुट ऊंचा और चवक्र तथा ध्वज से आच्छन्न है। मंदिर समुद्र तट से 7 फर्लांग दूर है। यह सतह से 20 फुट ऊंची एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित है। पहाड़ी गोलाकार है, जिसे नीलगिरि कहकर सम्मानित किया जाता है। अन्तराल के प्रत्येक तरफ एक बड़ा द्वार है, उनमें पूर्व का द्वार सबसे बड़ा और भव्य है। प्रवेश द्वार पर एक बृहत्काय सिंह है, इसीलिए इस द्वार को सिंह द्वार भी कहा जाता है।

यह मंदिर 20 फीट ऊंची दीवार के परकोटे के भीतर है जिसमें अनेक छोटे-छोटे मंदिर है। मुख्य मंदिर के अलावा एक परंपरागत डयोढ़ी, पवित्र देवस्थान या गर्भगृह, प्रार्थना करने का हॉल और स्तंभों वाला एक नृत्य हॉल है। सदियों से पुरी को अनेक नामों से जाना जाता है जैसे - नीलगिरि, नीलाद्री, नीलाचंल, पुरुषोत्तम, शंखक्षेत्र, श्रीक्षेत्र, जगन्नाथ धाम और जगन्नाथ पुरी। यहां पर बारह महत्त्वपूर्ण त्यौहार मनाये जाते हैं, लेकिन इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण त्यौहार जिसने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है, वह रथयात्रा ही है।

दस दिवसीय महोत्सव- पुरी का जगन्नाथ मंदिर के दस दिवसीय महोत्सव की तैयारी का श्रीगणेश अक्षय तृतीया को श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण से हो जाता है। कुछ धार्मिक अनुष्ठान भी किए जाते हैं।

गरुड़ध्वज- जगन्नाथ जी का रथ गरुड़ध्वज या कपिलध्वज कहलाता है। 16 पहियों वाला यह रथ 13.5 मीटर ऊँचा होता है जिसमें लाल व पीले रंग के वस्त्र का प्रयोग होता है। विष्णु का वाहक गरुड़ इसकी रक्षा करता है। रथ पर जो ध्वज है, उसे त्रैलोक्यमोहिनी या 'नंदीघोष' रथ कहते हैं।

तालध्वज- बलराम का रथ तलध्वज के नाम से पहचाना जाता है। यह रथ 13.2 मीटर ऊँचा 14 पहियों का होता है। यह लाल, हरे रंग के कपड़े व लक़ड़ी के 763 टुक़ड़ों से बना होता है। रथ के रक्षक वासुदेव और सारथी मताली होते हैं। रथ के ध्वज को उनानी कहते हैं। त्रिब्रा, ;घोरा, दीर्घशर्मा व स्वर्णनावा इसके अश्व हैं। जिस रस्सी से रथ खींचा जाता है, वह वासुकी कहलाता है।

पद्मध्वज या दर्पदलन- सुभद्रा का रथ पद्मध्वज कहलाता है। 12.9 मीटर ऊँचे 12 पहिए के इस रथ में लाल, काले कपड़े के साथ लकड़ी के 593 टुकड़ों का प्रयोग होता है। रथ की रक्षक जयदुर्गा व सारथी अर्जुन होते हैं। रथध्वज नर्दंबिक कहलाता है। रोचिक, मोचिक, जिता व अपराजिता इसके अश्व होते हैं। इसे खींचने वाली रस्सी को स्वर्णचूडा कहते हैं। दसवें दिन इस यात्रा का समापन हो जाता है।

प्रथाएँ- रथयात्रा आरंभ होने से पूर्व पुराने राजाओं के वंशज पारंपरिक ढंग से सोने के हत्थे वाली झाड़ू से ठाकुर जी के प्रस्थान मार्ग को बुहारते हैं। इसके बाद मंत्रोच्चार एवं जयघोष के साथ रथयात्रा शुरू होती है। कई वाद्ययंत्रों की ध्वनि के मध्य विशाल रथों को हज़ारों लोग मोटे-मोटे रस्सों से खींचते हैं। सबसे पहले बलभद्र का रथ तालध्वज प्रस्थान करता है। थोड़ी देर बाद सुभद्रा की यात्रा शुरू होती है। अंत में लोग जगन्नाथ जी के रथ को बड़े ही श्रद्धापूर्वक खींचते हैं। लोग मानते हैं कि रथयात्रा में सहयोग से मोक्ष मिलता है, अतः सभी कुछ पल के लिए रथ खींचने को आतुर रहते हैं। जगन्नाथ जी की यह रथयात्रा गुंडीचा मंदिर पहुंचकर संपन्न होती है। गुंडीचा मंदिर वहीं है, जहां विश्वकर्मा ने तीनों देव प्रतिमाओं का निर्माण किया था। इसे गुंडीचा बाड़ी भी कहते हैं। यह भगवान की मौसी का घर भी माना जाता है। सूर्यास्त तक यदि कोई रथ गुंडीचा मंदिर नहीं पहुंच पाता तो वह अगले दिन यात्रा पूरी करता है। गुंडीचा मंदिर में भगवान एक सप्ताह प्रवास करते हैं। इस बीच इनकी पूजा अर्चना यहीं होती है।

बाहुड़ा यात्रा- आषाढ़ शुक्ल दशमी को जगन्नाथ जी की वापसी यात्रा शुरू होती है। इसे बाहुड़ा यात्रा कहते हैं। शाम से पूर्व ही रथ जगन्नाथ मंदिर तक पहुंच जाते हैं। जहां एक दिन प्रतिमाएं भक्तों के दर्शन के लिए रथ में ही रखी रहती हैं।

SIP की पेमेंट डेट पर नहीं हो बैंक में पैसा तो क्या होगा, कितनी लगेगी पेनल्टी ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज हर कोई म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए एसआईपी का इस्तेमाल करता है। एसआईपी के जरिए आप किस्तों में निवेश कर सकते हैं। आज आप 100 रुपये निवेश कर एसआईपी शुरू कर सकते हैं। अगर आप भी म्यूचुअल में एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए है।

क्या कभी आपने सोचा है, अगर एसआईपी की भुगतान तारीख पर आपके पास पर्याप्त पैसे नहीं हो, जिस वजह से एसआईपी पेमेंट रुक जाए, तब उस स्थिति में क्या होगा।

आज लोग ज्यादातर भुगतान के लिए ऑटो पेमेंट का इस्तेमाल करते हैं, ऑटो पेमेंट का अर्थ है कि जिस दिन भुगतान तारीख होगी उस समय ऑटोमैटिकली आपके खाते से भुगतान राशि कट जाएगी। एसआईपी के लिए भी ऐसे ही ऑटोपेमेंट का इस्तेमाल किया जाता है।

SIP पेमेंट फेल होने पर क्या होगा- अगर एसआईपी की भुगतान तारीख को आपके बैंक खाते में पर्याप्त पैसे ना हो, तो ऐसे में बैंक फेल ट्रांजेक्शन होने पर पेनल्टी लगा सकती है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार अगर एसआईपी भुगतान के लिए ECS (इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सिस्टम)/NACH (नेशनल ऑटोमेटेड क्लीयरिंग हाउस) का इस्तेमाल करते हैं, तो बैंक आपसे बाउन्स चार्ज ले सकता है। ये चार्ज 150 रुपये से 500 रुपये तक हो सकता है।

SIP भी हो सकता है बंद- सेबी का नियम म्यूचुअल फंड की कंपनी (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) को ये अधिकार देता है कि अगर लाभार्थी की ओर से पेमेंट 3 से 5 बार मिस हो जाती है, तो ऐसे में वे एसआईपी बंद कर सकते हैं। एसेट मैनेजमेंट कंपनी कंपनी खुद से ये तय करती है कि उसे कितनी बार तक मिस पेमेंट माफ करनी है।

SIP के फायदे- एसआईपी में निवेशकों को कई चरणों पर फ्लेक्सिबिलिटी (Flexibility) मिलती है। जैसे अपने अनुसार अवधि चुन सकते हैं।

वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारत 2027 तक 5000 अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर- पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारत 2027 तक पांच हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है और यह सब सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व के कारण संभव हो पाया है।

कोलकाता में मर्चेंट्स चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआइ) द्वारा आयोजित एक आनलाइन सत्र में गोयल ने सरकार के दशक भर के आर्थिक सुधारों को वृद्धिशील के बजाय परिवर्तनकारी करार दिया। गोयल ने कहा कि हम अगले तीन वर्ष में पांच हजार अरब अमेरिकी डालर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह 2047 तक विकसित भारत बनने के सफर में हमारी पहली उपलब्धि होगा।

यह भारत का समय है- वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर गोयल ने कहा कि भारत को एकता और दृढ़ संकल्प के साथ अशांत माहौल में आगे बढना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शांत स्थिति मे नहीं बनती। यह भारत का समय है। हमें इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और दुनिया के अग्रणी देशों के बीच अपना उचित स्थान पाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

चीन ने भारत को स्पेशलिटी फर्टिलाइजर की सप्लाई पर लगाई चुपचाप रोक

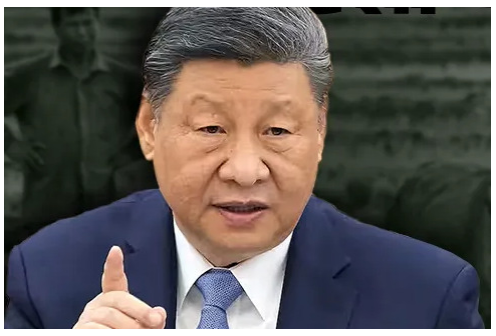

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिए बेहद अहम माने जाने वाले स्पेशलिटी फर्टिलाइजर की सप्लाई को लेकर चीन ने पिछले दो महीनों से बिना कोई औपचारिक प्रतिबंध लगाए सप्लाई रोक दी है। भारत में इन स्पेशलिटी फर्टिलाइजर्स का 80त्न से ज्यादा आयात चीन से होता है। ये उर्वरक फल, सब्जियों और अन्य लाभकारी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में बेहद उपयोगी होते हैं। लेकिन अब तक इनका घरेलू उत्पादन बहुत कम रहा है, क्योंकि इनकी मांग कम होने से स्थानीय फैक्ट्रियां आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं रही थीं। खास बात यह है कि चीन अन्य देशों को यह उर्वरक भेज रहा है, लेकिन भारत के लिए उसने चुपचाप तरीके से ब्लॉक कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की सरकारी एजेंसियां भारत के लिए तैयार उर्वरक शिपमेंट्स का निरीक्षण करने से बच रही हैं। चीन के नियमों के अनुसार, किसी भी उर्वरक की शिपमेंट को देश से बाहर भेजने से पहले फैक्ट्री लेवल पर निरीक्षण जरूरी होता है। जब यह प्रक्रिया ही नहीं हो रही, तो माल भारत पहुंच ही नहीं पा रहा।

विशेषज्ञ मानते हैं कि ये कदम भारत-चीन के बिगड़ते रिश्तों की कड़ी में एक इशारा है। पिछले कुछ सालों में सीमा विवाद, पाकिस्तान से चीन की नजदीकी और निवेश प्रतिबंध जैसे मामलों में भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। जवाब में चीन ने रेयर अर्थ मेटल्स और अब स्पेशलिटी फर्टिलाइजर जैसे अहम संसाधनों की सप्लाई रोककर दबाव बनाने की कोशिश की है।

इनका फायदा यह है कि ये पौधों को खास जरूरत के अनुसार पोषक तत्व पहुंचाते हैं, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखते हैं और परंपरागत फर्टिलाइजर्स के मुकाबले पर्यावरण पर असर भी कम डालते हैं।

मैगी बेचने वाली कंपनी ने बोनस शेयर देने के फैसले पर लगाई मुहर, खबर आते ही तेजी से भागे शेयर

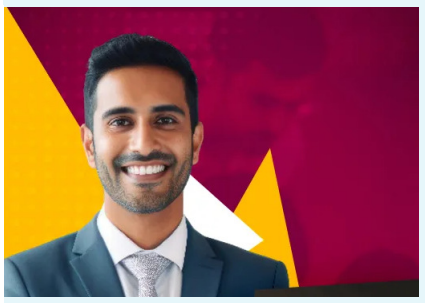

नई दिल्ली (एजेंसी)। Nestle India के बोर्ड ने गुरुवार, 26 जून को बोनस शेयर देने के फैसले पर मुहर लगाई। कंपनी के बोर्ड मीटिंग में 1:1 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी गई। एक रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर पर कंपनी निवेशकों को 1 रुपये की फेस वैल्यू का एक इक्विटी बोनस शेयर जारी करेगी।

भारत में नेस्ले एफएमसीजी के कई प्रोडक्ट बनाती है। आपने इसकी मैगी जरूर खाई होगी।मैगी को लेकर नेस्ले कई बार लाइमलाइट में भी आ चुकी है। यह पहली बार है जब Nestle India ने बोनस जारी करेगी।

रिकॉर्ड डेट पर क्या है अपडेट- बोनस रिकॉर्ड तिथि के बारे में नेस्ले इंडिया ने कहा कि इसकी घोषणा समय आने पर की जाएगी। कंपनी ने एक प्रेस रिलीज में कही, इक्विटी शेयर प्राप्त करने के लिए कंपनी के सदस्यों की पात्रता निर्धारित करने की रिकॉर्ड तिथि की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

नेस्ले इंडिया ने बोनस शेयर के फैसले पर अंतिम मुहर लगाते हुए कहा कि बोनस इश्यू कंपनी की प्रतिधारित आय से 96.42 करोड़ तक की पूंजी जुटाकर बनाया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य शेयरधारकों को इनाम देना और स्टॉक में लिक्विडिटी को बढ़ाना है।

रिकॉर्ड हाई पर बंद बैंक निफ्टी, Nifty50 भी 25500 के पार, इन वजह से आई बाजार में तूफानी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में 26 जून को लगातार तीसरे दिन बढ़त देखने को मिली। बैंक निफ्टी ने आज रिकॉर्ड हाई भी बनाया। अंत में सेंसेक्स 1.21 फीसदी के 1,000.36 अंक उछलकर 83,755.87 पर बंद हुआ। निफ्टी 304.25 अंक या 1.21 फीसदी बढ़कर 25,549 पर बंद हुआ। आज जून की आखिरी एक्सपायरी भी रही। इस बीच बैंक शेयरों में गजब की तेजी देखने को मिली। यही वजह रही कि निफ्टी बैंक इंडेक्स ऊपर चढ़ा और 57,240 के नए ऑल टाइम हाई लेवल को छू लिया । इस सेगमेंट में उछाल का नेतृत्व प्राइवेट बैंक शेयरों में भारी खरीदारी ने किया।

निफ्टी में सबसे ज्यादा उछलने वाले शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, अडानी पोर्ट्स रहे, जबकि गिरावट वाले शेयरों में डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी, एसबीआई शामिल रहे।

सेक्टर की बात करें तो प्राइवेट बैंक, तेल और गैस तथा मेटल इंडेक्स में 1-2 फीसदी की तेजी देखने को मिली। जबकि रियल्टी, मीडिया इंडेक्स में 1-1 फीसदी की गिरावट आई।

क्या बैंक निफ्टी जल्द ही 58,000 को पार कर जाएगा- हालांकि विश्लेषकों को उम्मीद है कि बैंक निफ्टी के और ऊंचे स्तर पर पहुंचने के साथ ही तेजी जारी रहेगी।

मोतीलाल ओसवाल के सीनियर हेड वाइस प्रेसिडेंट और डेरिवेटिव एवं टेक्निकल रिचर्स हेड चंदन तपारिया ने कहा, ÷कुल मिलाकर, मुझे उम्मीद है कि बैंक निफ्टी अगले 2-3 सप्ताह में 58,000 को पार कर जाएगा। अगर यह 56,250 से ऊपर बना रहता है, तो आज 57,050 का लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद है।

कौन बनेगा जेपी एसोसिएट्स का नया मालिक; 55000 करोड़ के कर्ज में डूबी है कंपनी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है। कंपनी के कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी रिजोल्यूशन प्रोसेस के तहत पांच संभावित रेजोल्यूशन प्लान प्राप्त हुए हैं। हालांकि वो नाम कौन हैं इसके बारे में कंपनी ने खुलासा नहीं किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कर्ज में डूबी कंपनी को खरीदने की रेस में अदाणी ग्रुप, वेदांता, जेएसपीएल (नवीन जिंदल), डालमिया भारत और पीएनसी इंफ्राटेक जैसे दावेदारों के नाम शामिल हैं।

जेपी एसोसिएट्स से जुड़ा क्या है मामला- SEBI के रेगुलेशन 30 और शेड्यूल III के पैरा A के क्लॉज 16(i) के तहत दी गई सूचना के अनुसार, रेजोल्यूशन प्रोफेशनल ने निर्धारित डेट तक पांच आवेदन प्राप्त किए हैं, जिनमें अर्नेस्ट मनी भी शामिल है। ये आवेदन उन संभावित निवेशकों की ओर से आए हैं, जो जेपी एसोसिएट्स की संपत्तियों का अधिग्रहण कर इसे फिर से शुरू करना चाहते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

क्वारी, चंबल और सिंध का बढ़ा जलस्तर, अलर्ट जारी

भिंड । ग्वालियर-चंबल अंचल में पिछले दिनों बारिश के बाद जिले की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। 24 घंटे में क्वारी नदी खतरे के निशान से तीन मीटर नीचे बह रही है। वहीं चंबल 6.15 मीटर और सिंध नदी 8.67 मीटर नीचे बह रही है। बता दें कि नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने आसपास रह रहे ग्रामीणों को अलर्ट किया है। साथ ही एसडीईआरएफ और होमगार्ड सहित सुरक्षाबल अलर्ट कर दिया है।मंगलवार शाम चंबल नदी का जलस्तर 108 मीटर था, जो बरही घाट पर बुधवार शाम पांच बजे बढ़कर 113.65 मीटर पहुंच गया है।

क्वारी भी उफान भर रही है। क्वारी नदी में पानी का लेवल अचानक बढ़कर 122.29 मीटर पर पहुंच गया है। जबकि खतरे का निशान 125.40 मीटर पर है।सिंध नदी में पानी 111.53 मीटर पर बह रहा है।

नदियों के किनारे बसें इन गांवों में अलर्ट जारी

सिंध नदी किनारे के भिंड के मड़नई, जखमौली, खेराश्यामपुरा, ककहरा और टेहनगुर गांव में बाढ़ का खतरा रहता है। मेहगांव के सांदुरी, बझरौली, बछरेटा, बरैठीखुर्द, बरैठीराज, खेरिया सिंध और कछार।

रौन के इंदुर्खी, कोंध की मढ़ैया, निबसाई, महायर, रेंवजा, मोहदा, पढ़ौरा, दोहई, हिलगवां। लहार के लिलवारी, लगदुआ, बरहा, केशवगढ़, अजनार, रोहानीसिंग पुरा, मड़ोरी और सिजरौली

चंबल नदी किनारे के भिंड के ज्ञानपुरा और बरही। अटेर के मुकुटपुरा, कछपुरा, खेराहट, नावली वृंदावन, मघेरा का दिन्नपुरा, नखलौली की मढ़ैया, कोषण की मढ़ैया, चिलोंगा, रमा का कोट, तरसोखर, नावलीहार, आकौन, अहरौली काली, गड़ेर, चौम्हो, सूरजपुरा, विंडवा, कनैरा गांव में बाढ़ आने का खतरा रहता है।

क्वारी नदी किनारे के भिंड के बघेड़ी, ईंगुरी, बगुलरी, कचोंगरा, परसोना, मिरचौली, बझाई का गुवरिहाई, रमपुरा का नागौर। गोरमी के हरीक्षा, सिकरौदा, परोसा, सुकांड, आरोली, खेरा, कुटरोली, कचनावखुर्द, चंदेनी।इसे लेकर प्रशासन का कहना है कि कोटा बैराज से 8700 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बारिश का पानी भी चंबल नदी में आया है, जिससे यह स्थिति बनी है। हालांकि खतरे की कोई बात नहीं है। जब कोटा बैराज बांध से 7 से 8 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है तब खतरा बढ़ता है।

भिंड सिंचाई विभाग के ईई, नरेश सिंह चौहान का कहना है कि पिछले दिनों हुई बारिश के कारण नदियों में पानी बढ़ा है। अभी बाढ़ जैसा खतरा नहीं है। फिर भी नदी किनारे बसे ग्रामीण सतर्क रहें।

शहर के बीच गिरी आकाशीय बिजली, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सतना। शहर में आकाशीय बिजली गिरने का एक वीडियो कैमरे में कैद हो गया। वीडियो कलेक्ट्रेट रोड स्थित शासकीय वेंकट क्रमांक एक स्कूल के सामने का है। जहां एक पेड़ पर आसमानी बिजली (गाज) गिर गई। यह घटना पास में खड़े एक युवक के मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। जिसका लाइव वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना बुधवार की शाम करीब 6 बजे की है। तेज गरज और चमक के साथ अचानक बिजली सड़क किनारे पेड़ पर आ गिरी। गनीमत रही कि उस समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। आसपास के लोग तेज आवाज से सहम गए और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रदेश के अन्य इलाकों में भी आकाशीय बिजली का प्रकोप आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत छतरपुर जिले के हरपालपुर में बस स्टैंड के समीप खेत मे जुताई का काम कर रहे किसान की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। किसान के खेत पर बनी कोठी पर आकाशीय बिजली गिरी। घटना बुधवार की है। राजेन्द्र सिंह गौर अपने खेत पर बुबाई का काम कर रहे थे। बारिश होने से खेत पर बनी कोठी पर अंदर चले गए उसी समय अचानक से आसमान से तेज गडग़ड़ाहट के साथ आसमान से मकान की छत पर बिजली गिरी।

आनन फानन में परिजन घायल को ट्रैक्टर में रखकर अस्पताल ले गए। लेकिन अस्पताल में मौके पर कोई कोई डॉक्टर मौजूद नहीं थे। अस्पताल में मौजूद स्टॉफ ने मरीज की जानकारी डॉक्टर को दी। डॉक्टर जब तक अस्पताल पहुंचे तब तक किसान की मौत हो गई।आकाशीय बिजली की चपेट में आने से डेढ दर्जन बकरियों की मौत टिकमगढ़ जिले में तीन चार दिन से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। ग्राम पंचायत लारौन के मडाहार के किसान की बुधवार की दोपहर डेढ दर्जन से अधिक बकरियों की आकाशीय बिजली की चपेट मे आ जाने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना अंतर्गत मडाहार गांव का किसान सीताराम कुशवाहा अपनी 20 नग बकरियों को बुधवार को चराने के लिए भिलमा तालाब के पास गया था, तभी दोपहर लगभग 2 बजे आकाश से अचानक बिजली तडकी, जिसकी चपेट में आने से उसकी 16 नग बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार नग बकरियां घायल हो गई। घटना की जानकारी लगते ही गांव के लोग मौके पर पहुंचे और पशु चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों को इसकी जानकारी दी गई।

लेबर के भुगतान में डेढ़ करोड़ का घोटाला, हाई कोर्ट ने रद्द की याचिका

ग्वालियर। डेढ़ करोड़ की धोखाधड़ी करने के मामले में हाई कोर्ट ने बुधवार को याचिका की सुनवाई की है। आरोपी अमित समाधिया को हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ से राहत नहीं मिली है। आरोपी ने लेबरों की सैलरी के नाम पर डेढ़ करोड़ का गबन किया था। जिसके खिलाफ कंपनी के संचालक ने केस दर्ज करवाया है।

आरोपी अमित ने कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी, जिसमें शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता साकेत उदैनिया ने पैरवी करते हुए आरोप की गंभीरता बताई। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने जमानत देने में असहमति जताई और विड्रो के आधार पर याचिका को निरस्त कर दिया।यह था पूरा मामलादरअसल, हजीरा थाना क्षेत्र के सुभाष नगर निवासी ग्याप्रसाद अरजरिया का लेबर सप्लाई का काम था। उनकी तीन फर्म जीपी

कंस्ट्रक्शन, मनीष कान्ट्रेक्टर और विधि इंटरप्राइजेज हैं। इसमें वह खुद, पत्नी गायत्री, बेटा मनीष व आशीष संचालक हैं। तीनों फर्मों का काम देखने के लिए उन्होंने विनय नगर निवासी अमित समाधिया को बतौर मैनेजर नियुक्त किया था। उसको काम में मदद के लिए विकास राठौर को असिस्टेंट के रूप में नियुक्त किया था।घाटा होने पर खूला मामला देशभर में उनकी फर्म से लेबर सप्लाई होती है और पूरा काम अमित व विकास देखते थे। वर्ष 2022 में उन्हें फर्मों से घाटा होने लगा और सारा धन लेबर की सैलरी में जाने लगा। जब इस पर उन्हें शक हुआ और जांच कराई तो पता चला कि अमित और विकास अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर उन्हें चूना लगा रहे हैं।रिश्तेदारों के खाते में डालते थे पैसे

जब उन्होंने इस बात का अमित व विकास से हिसाब मांगा तो वह गायब हो गए। मामला पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद मामला दर्ज किया। जांच में पता चला कि जो लेबर काम छोड़कर चली जाती थी, उनके नाम वह हटाते नहीं थे और उनकी सैलरी अपने नाते-रिश्तेदारों के खातों में डालते थे।

डेढ़ घंटे तक ब्रष्ट की बिजली हुई गुल, आफत में आई 3 मरीजों की जान

ग्वालियर। जयारोग्य अस्पताल के कार्डियक सेंटर के आइसीयू में बुधवार को अचानक बिजली आपूर्ति बाधित होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली बंद होने की वजह केबल फाल्ट थी, जो लगभग डेढ़ घंटे तक ठीक नहीं हो सकी। इस तकनीकी खामी के चलते आइसीयू में भर्ती तीन गंभीर मरीजों की हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत कैथ लैब आइसीयू में शिफ्ट किया गया।अस्पताल स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को संभाला, हालांकि इस दौरान मरीजों और उनके स्वजन को खासी दिक्कतों का सामना

करना पड़ा। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद फाल्ट को ठीक कर लिया गया। इसके बाद ही बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी।कार्डियक आइसीयू की बिजली गुल होने की सूचना मिलने पर अस्पताल अधीक्षक डा. सुधीर सक्सेना मौके पर पहुंचे और स्वयं वहां खड़े रहकर फाल्ट को दुरुस्त कराया।बना रहा अफरा-तफरी का माहौल

कार्डियक आइसीयू में बिजली आपूर्ति बाधित रहने के दौरान मरीजों के जीवनरक्षक उपकरणों पर असर पड़ा, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई। इसके साथ ही उमस और गर्मी से मरीजों को राहत पहुंचाने स्वजन पंखे से हवा करते नजर आए। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी।

गंदगी देख नाराज हुए अधीक्षकआइसीयू के बिजली कक्ष के पास गंदगी देख अस्पताल अधीक्षक डॉ. सक्सेना संबंधित कंपनी के कर्मचारियों पर नाराज हुए। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल विद्युत यांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों को बुलाकर तत्काल केबल बदलवा कर बिजली व्यवस्था दुरस्त कराई। हालांकि, इस दौरान आइसीयू के साथ गैलरी में भर्ती मरीजों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।भविष्य में नहीं होगी समस्या इस पूरे घटना क्रम को लेकर अस्पतालके अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना ने कहा कि कार्डियक आइसीयू में फाल्ट होने की वजह से बिजली गुल हो गई थी। तीन गंभीर मरीजों को दिक्कत होने पर तत्काल कैथ लैब के आइसीयू में शिफ्ट कराया गया। फाल्ट को दुरुस्त करा बिजली आपूर्ति बहाल की गई। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा की भविष्य में ऐसी घटना न हो।

बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और सुरक्षा हमारी संस्कृति का हिस्सा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर को 565 करोड़ रुपये से अधिक के लागत के विकास कार्यों की दी सौगातें

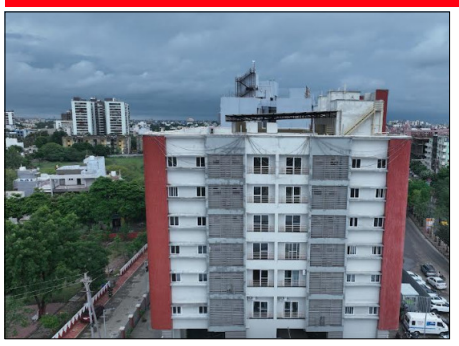

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में स्नेहधाम भवन के लोकार्पण अवसर पर कहा कि यह प्रकल्प केवल सामाजिक सुरक्षा नहीं बल्कि सुरक्षित आवास सुविधा भी सुनिश्चित करता है। यह अपने आप में एक बड़ा और संवेदनशील कदम है, जो वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और सुरक्षा हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित आवास सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर में 18 करोड़ रुपये की लागत से स्नेह धाम भवन इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाया गया है। प्रदेश में अपने तरह की इस पहली अभिनव पहल का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज किया। स्नेहधाम भवन में बुजुर्गों के लिए भोजन, चिकित्सा, मनोरंजन, स्वाध्याय, ध्यान और परामर्श जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। यहां बुजुर्गों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इंदौर को 565 करोड़ रुपये से अधिक के लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने इस मौके पर लगभग 90 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया और 476 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री मधु वर्मा, श्री मनोज पटेल तथा श्री गोलू शुक्ला, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी.अहिरवार, श्री श्रवण चावड़ा भी विशेष रूप से मौजूद थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय के साथ सामाजिक ढांचा बदला है ङ्क कई बुजुर्ग दंपत्ति आज अकेले हैं, किसी के बच्चे विदेश में हैं तो कोई नौकरी के कारण दूर शहरों में रहते हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित, आत्मसम्मानजनक और सुसज्जित आवास की आवश्यकता को स्नेहधाम जैसी पहलें पूरी करेंगी। मुख्यमंत्रीजी ने कहा कि इंदौर सिर्फ स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि सामाजिक नवाचारों और जनकल्याण की दिशा में भी लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है और आगे भी निभाता रहेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान व पीएम आवास में धीमी प्रगति पर सचिव व जीआरएस पर कार्यवाही

खरगोन। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह द्वारा जिला कार्यालय में जलगंगा संवर्धन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद पंचायत खरगोन की 10, सेगांव की 15 एवं महेश्वर की 29 ग्राम पंचायतों की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जलगंगा संवर्धन अभियान में कई ग्राम पंचायतों की प्रगति अत्यंत कम रही है। संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों द्वारा अभियान में अपेक्षित रुचि नहीं ली गई है। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह ने कम प्रगति वाले सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों का वेतन काटने की कार्यवाही की है। साथ ही अत्यधिक कम प्रगति वाले सचिवों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये हैं। उन्होंने कहा कि अभियान की प्रगति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी सचिव व जीआरएस का काटा वेतन, नोटिस जारी - जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान में सबसे कम प्रगति करने वाले ग्राम पंचायत सचिव व जीआरएस के वेतन काटने की कार्यवाही की है। इनमें खरगोन जनपद की ग्राम पंचायत जामली के सचिव दिनेश वास्कले व जीआरएस मुकेश खाण्डे का 03 दिवस का, नारायणपुरा की सचिव अंजली का 15 दिवस व जीआरएस संगीता भालसे का 01 माह का, सोनीपुरा के सचिव विद्यासागर साठे को कारण बाताओ नोटिस, सुरपाल के सचिव अशोक यावद को 03 दिवस का वेतन काटने की कार्यवाही की है।

पीजी कॉलेज खरगोन में मनाया गया संविधान हत्या दिवस

खरगोन। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार तथा मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस खरगोन में 25 जून 1975 को लगे आपातकाल की पृष्ठभूमि में एक शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक पठन से हुई। इसके पश्चात महाविद्यालय के सभागार में विद्यार्थियों व शिक्षकों की उपस्थिति में आपातकाल के संदर्भ में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें उस दौर की घटनाओं और उनके प्रभाव को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में एक जानकारी परक पीपीटी प्रस्तुति दी गई, जिसमें आपातकाल से जुड़ी संवैधानिक धाराओं, नागरिक अधिकारों और तत्कालीन परिस्थितियों पर प्रकाश डाला गया।

वीडियो और दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से छात्रों को विषय की गंभीरता और ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का समापन प्राचार्य डॉ. जी.एस. चौहान द्वारा विद्यार्थियों एवं स्टाफ को संविधान के मूल्यों को बनाए रखने की शपथ दिलाकर किया गया।

आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी – मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। देश में आपातकाल लागू होने की 50 वीं वर्षगांठ को बुधवार को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आपातकाल विभीषिका विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई, देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया गया। आपातकाल देश के लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान था। उन्होंने कहा कि आज से 50 वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को जिन लोगों ने देश में आपात काल लागू किया था, वे ही इस कलंक के लिए जिम्मेदार हैं और वे कभी भी इस कलंक से मुक्त नहीं हो सकते हैं। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी, प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, पूर्व मंत्री श्री अजय विश्नोई और विधायक श्री महेंद्र हार्डिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। इससे पूर्व संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया।

शासकीय महाराजा शिवाजीराव स्कूल में पुलिस व नारकोटिक्स विंग ने लगाया जनजागरूकता शिविर

इंदौर। महिला अपराध, यातायात नियम और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए इंदौर पुलिस व नारकोटिक्स विंग की टीम ने शासकीय महाराजा शिवाजीराव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चिमनबाग में सामाजिक जनजागरूकता शिविर आयोजित किया।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में एडीसीपी (महिला सुरक्षा) श्रीमती संध्या राय, नारकोटिक्स विंग की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रीति जैन, रिजर्व ग्रुप म.प्र. संगठन से आरती मौर्य एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने लगभग 400 छात्र-छात्राओं को महिला अपराधों से बचाव, मानव तस्करी, यातायात नियमों तथा पुलिस के हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी।

अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में सफलता के साथ योगदान दे रही हैं, जिससे समाज में नारी शक्ति का मान-सम्मान बढ़ रहा है।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक ली

खरगोन। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय भारद्वाज, परियोजना अधिकारी एवं समस्त सेक्टर पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा विभागीय योजनाओं की सेक्टरवार समीक्षा की गई, जिसमें मुख्य रूप से लाडली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक में निर्देश दिए कि इन योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति 30 जून तक सुनिश्चित की जाए। साथ ही 15 जुलाई तक लक्ष्य पूर्ति न होने की स्थिति में विभागीय जांच की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर सुश्री मित्तल ने पूर्व बैठक में जिन सेक्टर पर्यवेक्षकों के विरुद्ध लक्ष्य पूर्ति न होने के कारण विभागीय जांच प्रारंभ की गई थी, उनकी वर्तमान में लक्ष्य पूर्ति हो जाने पर जांच की कार्यवाही समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पोषण पुनर्वास केन्द्रों में शत-प्रतिशत बेड आक्यूपेंसी एवं केपीआई में शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं तत्परता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, यह सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया देश के पहले पुलिस कमिश्नरेट में स्थित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण

इंदौर। हमारे देश की प्राचीन सोच को नूतन नवीन रूप से कायम कर समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल बनाने के लिए मध्यस्थता की वर्तमान समय की मांग हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में देश के पहले पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में स्थित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र के लोकार्पण के अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यस्थता से ना केवल मामलों का निपटारा होता है अपितु समाज में आपसी विश्वास पैदा होता हैं। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता की सोच को मध्य प्रदेश सरकार गांवों तक ले जाने के प्रयास करेगी जिससे गांवों में भी परस्पर सौहार्द्र का माहौल बन सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक तानेबाने से सुचारू संचालन के लिए जरूरी है कि पारिवारिक रिश्तों की मजबूती बने रहे। उन्होंने इंदौर पुलिस कमिश्नरेट, जिला प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकरण को बधाई देते हुए कहा कि यह पुण्य कार्य के लिए सराहनीय मॉडल है।

आज पुलिस कमिश्नरेट इन्दौर एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में कार्यालय पुलिस आयुक्त पलासिया में नवनिर्मित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यपालिक अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण म.प्र. उच्च न्यायालय जस्टिस श्री संजीव सचदेवा एवं प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय मध्यस्थता समिति जस्टिस श्री विवेक रूसिया की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

निगम सम्मिलन में सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए चौड़ीकरण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की

निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव की अध्यक्षता में आयोजित

उज्जैन। नगर निगम परिषद का साधारण सम्मिलन गुरूवार को निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। सम्मिलन की कार्यवाही राष्ट्रगीत के साथ आरंभ की गई जिसके उपरांत कार्यसूची के प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया।

पूर्व निगम सामधारण सम्मिलन दिनांक 08.05.2025 के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई। प्रश्नोत्तर की कार्यवाही की गई।

कार्यालयीन कार्य एवं वेतन भुगतान हेतु नगर पालिक निगम उज्जैन से राशि लिये जाने सम्बंधित प्रकरण को पुरक प्रस्ताव सहित विधिसम्मत राय प्राप्त कर आगामी सदन रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया।

गेल इंडिया तिराहे से मंछामन चौराहे व नीलगंगा तिराहे तक मार्ग के चौड़ीकरण कार्य, गाडी अड्डा से ढांचा भवन होते हुए रणकेश्वर महादेव मंदिर एमआर 5 मार्ग तक एमआर 4 मार्ग रोड चौड़ीकरण कार्य, वीड़ी क्लाथ मार्केट, तेलीवाड़ा, ढाबारोड होते हुए छोटी पुलिया तक मार्ग का चौड़ीकरण कार्य, स्पेशल असिस्टेंस अन्तर्गत गदापुलिया, मंछामन होते हुए इंदौर रोड तक सीमेंट कांक्रीट एवं नाला निर्माण कार्य सम्बंधित प्रकरणों को प्रस्ताव अनुसार सर्वानुमति एवं ध्वनीमत से स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य शासन के सभी विभागों के समान संवर्गो के लिए सुनिश्चित केरियर प्रोन्नयन योजना लागू करने विषयक चतुर्थ समयमान वेतनमान दिये जाने सम्बंधित प्रस्ताव को सर्वानुमति से स्वीकृति प्रदान की गई।

फ्रीगंज क्षेत्र स्थित निगम स्वामित्व की पोर्च की भूमि के उपर का हवाई हक के उपयोग का अधिकार 30 वर्ष की लीज पर दिये जाने के सम्बंधित प्रस्ताव पर चर्चा कर राज्य शासन को स्वीकृति हेतु भेजे जाने की स्वीकृति प्रदान करते हुए पोर्च से अतिक्रमण हटाये जाने हेतु निगम आयुक्त को निर्देश प्रदान किये गए एवं निगम अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि जितना सुंदर फ्रीगंज क्षेत्र बना हुआ है वह अपने मूल स्वरूप में दिखाई देना चाहिए।

उज्जैन शहर स्थित अंकपात मार्ग (ईमली चौराहा) का नामकरण सत्यवादी वीर तेजाजी चौराहा करने सम्बंधित प्रकरण एवं जिला न्यायालय से एमआर 10 फोरलेन रोड का नामकरण विधिवेत्ता प्रताप मेहता अधिवक्ता के नाम से किये जाने सम्बंधित प्रकरण को विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए पूर्व सदन में प्रस्तुत प्रकरणों को एक साथ शासन को भेजे जाने हेतु निगम आयुक्त को निर्देशित किया गया।

मंगलचंद जाखड़ बने रेल उपभोक्ता समिति सदस्य

उज्जैन। सेवानिवृत्ति मेल एक्सप्रेस मैनेजर मंगलचंद जाखड़ को मंडल रेल उपभोक्ता समिति रतलाम मण्डल का मेंबर बनाए जाने पर रेलवे कम्युनिटी हॉल उज्जैन में भारतीय मजदुर संघ से संबंधित पश्चिम रेल कर्मचारी परिषद द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

बीएमएस के जिला मीडिया प्रभारी गुलशन मंसूरी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय मजदुर संघ के विभाग प्रमुख सतीश शर्मा ने की। इस अवसर पर पश्चिमी कर्मचारी परिषद के रेलवे संगठन महामंत्री शिवलहरी शर्मा व महामंत्री संजय शुक्ला, जोनल अध्यक्ष कैलाश भावसार विशेष अतिथि रहे। श्री जाखड़ का शाल, श्रीफल से स्वागत किया गया। जोनल संयोजक आर के दीक्षित के मार्गदर्शन में भारतीय मजदुर संघ के जिला अध्यक्ष मनीष कारपेंटर और एन के जांगिड़ ने संचालन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री किशन सिंह शेखावत, लक्ष्मी नारायण रजक, वेदपाल, आई पी आर्य, अरविंद तरानेकर, मोहन सिंह, दिलीप शर्मा, तस्लीम खान, एन पी शर्मा, रामचन्द्र सिगरिया, मदनलाल, धर्मेन्द्र, सत्यप्रकाश, बड़ौदा मंडल से जेबी सिंह अहमदाबाद से आर पी शर्मा, रतलाम से मुकेश मीणा पेंशनर्स संघ से अनिल मंडलोई, शमशेर सिंह तोमर, स्ट्रीट वेंडर से संजय चौहान, कालूराम चौहान, वेयरहाउस से बरखा कटारिया, विद्युत मंडल से अलीम पठान अनस खान और सभी रेलवे विभाग से कर्मचारी उपस्थित हुए। श्रमिक गीत बीएमएस के जिला मंत्री किशन सिंह शेखावत ने सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया। सभी वक्ताओं ने पसेंजर हितों के ऊपर अपना उद्बोधन दिया। मंडल रेल उपभोक्ता समिति मेम्बर्स जाखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी के संकल्प जो कि सभी यात्रियों को रेल से अच्छी सुविधा, सुरक्षित, संरक्षा मिले इस पर काम करने के लिए प्रयासरत रहूंगा और सभी को धन्यवाद आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता हेतु उज्जैन से टीम रवाना

उज्जैन। 28 जून से 2 जुलाई तक केरल के त्रिचुर शहर में केरल पंजा कुश्ती एसोसिएशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हुतु उज्जैन से खिलाड़ियों की टीम रवाना हुई।

उज्जैन जिला पंजा कुश्ती संघ के अध्यक्ष गोपाल यादव व सचिव प्रतिकसिंह तोमर द्वारा संयुक्त रूप से बताया कि त्रिचुर में आयोजित प्रतियोगिता में पूरे देश से 1500 खिलाड़ियों के भाग लेने की सहमति प्राप्त हो चुकी है। जिसमें म.प्र. टीम में उज्जैन से 7 खिलाड़ी चयनित हुए हैं। उज्जैन टीम मैनेजर जितेंद्रसिंह कुशवाह व कोच अजय आंजना नियुक्त किये गये है। उज्जैन से चयनित खिलाड़ियों में दक्षसिंह कुशवाह सबजुनियर, अजय आंजना, रोहित डोडिया, योगेश पाटीदार सीनियर, आदर्श शर्मा यूथ, आरती यादव आदि।

श्री पावन धाम गौशाला हिंदू संगठन की हुई बैठक, नवीन गौशाला का उद्घाटन

उज्जैन। उज्जैन के ग्राम पंचायत हासामपुरा के ग्राम राणाबढ़ में संस्थापक रमेश चंद्र गुरु महाराज के मार्गदर्शन में तूफान सिंह सोलंकी द्वारा प्रहलाद सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में श्री पावन धाम गौशाला हिंदू संगठन की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नवीन गौशाला का उद्घाटन किया गया।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष लखन बाथम, गौ कथा धर्म प्रचारक प्रदेश अध्यक्ष गोपाल गुरुजी भट्ट, प्रदेश महामंत्री भैरूसिंह चंद्रावत, हिंदूवादी नेता दिनेश बाथम के स्वागत के साथ नई कार्यकारिणी गठित की गई। अशोक गुर्जर को युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। तूफान सिंह सोलंकी को गौशाला अध्यक्ष, जानकीलाल परमार को युवा मोर्चा प्रदेश सगंठन मंत्री व प्रहलाद सिंह को उज्जैन नगर अध्यक्ष पद पर नवनिर्वाचित पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र देकर उनका स्वागत संगठन के पदाधिकारी व इंदौर जिला अध्यक्ष सुशील गोस्वामी ने किया। जिला सगंठन मंत्री ईश्वर भाट्ट और धर्मेंद्र यादव द्वारा टेम्पो भर कर गौ माता के लिए घास लेकर आए। मौके पर मौजूद पदाधिकारी कार्यकर्ता गौ सेवक सुरेश गोस्वामी, बहादुर सिंह चौहान, गोपाल लखन बाथम, दीपक गोस्वामी, कपिल माली व सगंठन के राहुल भीलवाड़ा पिपलौदा सागौती माता की गौशाला में सदैव तत्पर रहते हैं। सभी ने एक स्वर में कहा संगठन का एक ही लक्ष्य गौ माता भूखी ना रहे और उन्हें राज्य माता और राष्ट्र माता का दर्जा मिले यही शासन और प्रशासन से श्री पावन धाम हिंदू संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ता व गौ सेवक की मांग है।

'माँ' के प्रीमियर में फिल्मी सितारों की महफिल मे पहुंचे उज्जैन से राजनेता अभिनेता रविंद्र ठाकुर

उज्जैन। आज 27 जून को सिनेमाघरों में रीलिज हो रही बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल देवगन की फिल्म 'माँ' के प्रीमियर में उज्जैन के राजनेता अभिनेता रविंद्र ठाकुर भी शामिल हुए। इस दौरान बॉलीवुड के कई कलाकार मौजूद रहे।

बॉलीवुड के कुछ खास लोगों के लिए काजोल की फिल्म 'माँ' की स्क्रीनिंग रखी गई थी जिसमें उज्जैन के नागदा निवासी रविंद्र ठाकुर भी शामिल हुए। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी इस फ़िल्म में काजोल देवगन मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं।

टैलेंट सर्च में सबसे ज्यादा उज्जैन के 14 बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन

उज्जैन। खेल और युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश राज्य बैडमिंटन अकादमी ग्वालियर में आयोजित बैडमिंटन प्रतिभा चयन कार्यक्रम में सबसे ज्यादा उज्जैन जिले के 14 बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन हुआ।

बैडमिंटन कोच योगेश बंदेवार ने बताया कि यदि फाइनल ट्रायल में इन खिलाड़ियों का चयन हो जाता है तो इन्हें देश की सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन एकेडमी में सलेक्ट कर लिया जाएगा जिनका सारा खर्चा सरकार द्वारा उठाया जाएगा। जिसमें अर्पण कविया, यश यादव, आराध्या नामदेव, रेवांश मालवीय, अभिराम जयसवाल, अद्विका सिंह, आशी यादव, तोशी सेंगर, पार्थ चौरडिया, कैवल्य भार्गव, नित्या तिवारी, समकित बाजपेई, रिधान गुंजल और व्यवस्थावत गॉर्नबल इन सभी खिलाड़ियों को फाइनल ट्रायल के लिए ग्वालियर बुलाया गया है। इनमें से 11 खिलाड़ी महानंदा विक्रमादित्य बैडमिंटन क्लब में कोच योगेश बंदेवार से प्रशिक्षण ले रहे हैं। पहले भी विक्रमादित्य क्लब के खिलाड़ियों का चयन गोपीचंद अकादमी में और साई अकादमी में हो चुका है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के लिए उज्जैन बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव यादव, डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर ओपी हारौड, विक्रमादित्य बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष दिनेश जाटवा, सचिव जितेंद्र मुकाती, कोच मोनिका खलोटिया एवं सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया एवं खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सर्वसहमती से हुए उज्जैन जेंट्स पार्लर एसोसिएशन के चुनाव

उज्जैन। हेयर जेन्ट्स पार्लर एसोसिएशन उज्जैन के चुनाव संपन्न हुए। जिसमें सर्वसहमती से महावीर सेन को अध्यक्ष, जितेंद्र सेन (सारोला) को महासचिव, रवींद्र वर्मा को सचिव नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठजनों द्वारा उनका स्वागत किया गया व तीनों नवनियुक्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर संस्थापक महेंद्र सेन (दाऊ), भरत भाटी, संयोजक प्रेम यादव, संतोष भाटी, संतोष वर्मा बसवाले, संगठन के सदस्य लखन वर्मा, शिव भाटी, मनीष गोयल, राजेश लक्की, भरत वर्मा, सोहन भाटी, महेंद्र बाहुबली, कुलदीप वर्मा राजेश गहलोत, विष्णु वर्मा, जीतेंद्र बालाजी, शंकर चौहान, दिलीप सोलंकी, अशोक वर्मा (पर्व), मोहन गोयल, संदीप वर्मा (लिबर्टी), परमानंद सेन, संजय चौहान, नारायण सेन, शिवनारायण झाला, सचिन वर्मा, प्रहलाद भाटी, सुरेन्द्र सेन, अशोक भाटी, जगदीश देवड़ा, मोहन वर्मा, कैलाश वर्मा, रामचंद्र भाटी, परमानन्द वर्मा, धर्मेंद्र परमार, देवेन्द्र देवडा, राम सेन, श्याम सेन, संजय वर्मा, राजाराम सोलंकी, जितेन्द्र सौलंकी आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com